

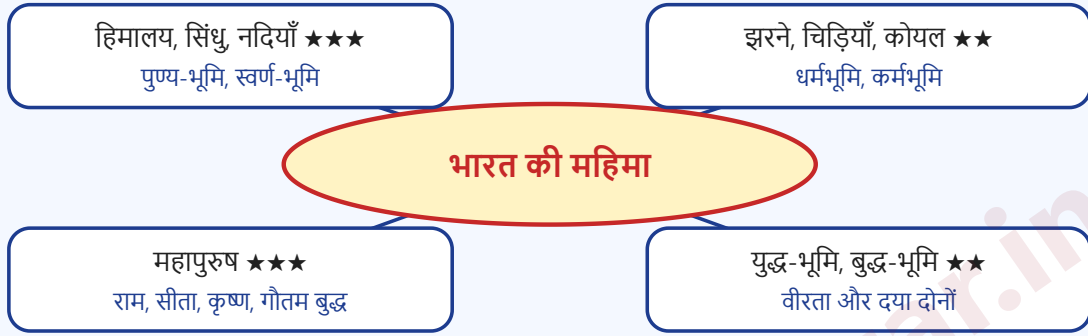
कक्षा 6 · हिंदी · 'मल्हार' (NCERT) · कविता

पाठ 1 मातृभूमि

सोहनलाल द्विवेदी · झरोखे से: 'वंदे मातरम्' · पढ़ने के लिए: 'पुष्प की अभिलाषा'



पाठ का मानचित्र (★ = परीक्षा के लिए सबसे महत्वपूर्ण)



कवि परिचय

सोहनलाल द्विवेदी (1906–1988): हिंदी के प्रसिद्ध कवि। उस समय भारत पर अंग्रेजों का आधिपत्य था; उन्होंने अपनी लेखनी से अंग्रेजों का विरोध किया। प्रिय विषय: **देशभक्ति**, भारत के गौरव का गान। अन्य चर्चित रचनाएँ: '**बढ़े चलो, बढ़े चलो**', '**कोशिश करने वालों की हार नहीं होती**'।

★ **परीक्षा-सुझाव:** परीक्षा में: कविता में **भारत की प्राकृतिक सुंदरता** (हिमालय, सिंधु, गंगा-यमुना-त्रिवेणी, झरने, अमराइयाँ, मलय पवन) और **महापुरुष** (राम, सीता, कृष्ण, बुद्ध), **भूमि के विशेषण** (पुण्य, स्वर्ण, धर्म, कर्म, युद्ध, बुद्ध, जन्म, मातृ), **शब्द-अर्थ मिलान**, शब्द-युग्म (पग-पग), 'भूमि' से नए शब्द, दया-दिया, वाद्य-पहेली।

एक पंक्ति में: कवि भारत को अपनी मातृभूमि, जन्मभूमि, पुण्य-भूमि और स्वर्ण-भूमि कहकर गर्व से उसकी प्राकृतिक सुंदरता (हिमालय, समुद्र, नदियाँ, झरने, कोयल, मलय पवन) और महापुरुषों (राम, सीता, कृष्ण, बुद्ध) का गुणगान करते हैं।

1.1 कविता का भावार्थ ★★★

ऊँचा खड़ा हिमालय
आकाश चूमता है,
नीचे चरण तले झुक,
नित सिंधु झूमता है।
गंगा यमुन त्रिवेणी
नदियाँ लहर रही हैं,
जगमग छटा निराली,
पग पग छहर रही हैं।
वह पुण्य-भूमि मेरी, वह स्वर्ण-भूमि मेरी।
वह जन्मभूमि मेरी वह मातृभूमि मेरी।

उत्तर: ऊँचा **हिमालय** इतना ऊँचा खड़ा है मानो **आकाश को चूम** रहा हो; नीचे भारत के **चरणों में झुककर सिंधु** (समुद्र, हिंद महासागर) सदा झूमता है। **गंगा, यमुना** और **त्रिवेणी** (तीन नदियों का संगम) की लहरें उठ रही हैं; हर कदम (**पग पग**) पर अनोखी चमकती सुंदरता बिखरी है। कवि कहते हैं: वह **पवित्र (पुण्य)** और **सोने जैसी (स्वर्ण)** भूमि मेरी है; मेरी **जन्मभूमि** और **मातृभूमि** है।

झरने अनेक झरते
जिसकी पहाड़ियों में,
चिड़ियाँ चहक रही हैं,
हो मस्त झाड़ियों में।
अमराइयाँ घनी हैं
कोयल पुकारती है,
बहती मलय पवन है,
तन-मन सँवारती है।
वह धर्मभूमि मेरी, वह कर्मभूमि मेरी।
वह जन्मभूमि मेरी वह मातृभूमि मेरी।

उत्तर: जिसकी पहाड़ियों से अनेक **झरने** गिरते हैं; झाड़ियों में मस्त होकर **चिड़ियाँ चहकती** हैं; **आम के घने बाग (अमराइयाँ)** हैं जहाँ **कोयल** पुकारती है; **मलय पर्वत से आने वाली सुगंधित हवा** बहकर तन-मन को सँवारती (ताज़गी देती) है। वह मेरी **धर्मभूमि** और **कर्मभूमि** है।

जन्मे जहाँ थे रघुपति,
जन्मी जहाँ थी सीता,
श्रीकृष्ण ने सुनाई,
वंशी पुनीत गीता।
गौतम ने जन्म लेकर,
जिसका सुयश बढ़ाया,
जग को दया सिखाई,
जग को दिया दिखाया।
वह युद्ध-भूमि मेरी, वह बुद्ध-भूमि मेरी।
वह मातृभूमि मेरी, वह जन्मभूमि मेरी।

उत्तर: जहाँ **श्रीराम (रघुपति)** और **सीता** जन्मे, जहाँ **श्रीकृष्ण** ने वंशी बजाई और पवित्र **गीता** का उपदेश दिया; जहाँ **गौतम बुद्ध** ने जन्म लेकर इसका यश बढ़ाया, संसार को **दया** सिखाई और ज्ञान का **दीया (प्रकाश)** दिखाया। वह **युद्ध-भूमि** (वीरों की धरती, महाभारत) भी है और **बुद्ध-भूमि** (शांति, करुणा की धरती) भी।

1.2 काव्य-सौंदर्य ★★

• **मानवीकरण:** हिमालय का आकाश चूमना, सिंधु का चरणों में झुकना-झूमना, कोयल का पुकारना, पवन का तन-मन सँवारना। • **पुनरुक्ति:** पग पग। • **टेक (आवृत्ति):** 'वह जन्मभूमि मेरी वह मातृभूमि मेरी'। • **अनुप्रास:** 'झरने अनेक झरते', 'चिड़ियाँ चहक'।

• **शब्द-परिवर्तन:** 'यमुन' (यमुना), लय के लिए। • **तुक:** चूमता-झूमता, रही हैं-रही हैं, सीता-गीता, बढ़ाया-दिखाया, युद्ध-बुद्ध। • **दया-दिया:** एक मात्रा का अंतर, अर्थ अलग। • **भाव:** देशप्रेम, गौरव; **भाषा:** सरल खड़ी बोली।

शब्दार्थ: चरण तले = पैरों के नीचे; सिंधु = समुद्र; नित = सदा; त्रिवेणी = तीन नदियों का संगम (प्रयागराज); छटा = शोभा; निराली = अनोखी; छहरना = बिखरना; पुण्य = पवित्र; स्वर्ण = सोना; अमराइयाँ = आम के बाग; मलय पवन = मलय पर्वत (दक्षिण भारत) से आने वाली सुगंधित हवा; सँवारना = सजाना; रघुपति = श्रीराम; पुनीत = पवित्र; सुयश = अच्छी कीर्ति; दिया = दीपक।

पाठ्यपुस्तक 'मल्हार' के अभ्यास, हल

मेरी समझ से

उत्तर: (1) सिंधु। (2) भारत की प्रशंसा की गई है (प्राकृतिक सुंदरता और महापुरुषों के द्वारा)।

मिलकर करें मिलान

उत्तर: 1 हिमालय → 10 (उत्तरी सीमा की पर्वत-माला) · 2 त्रिवेणी → 4 (तीन नदियों का संगम) · 3 मलय पवन → 6 (मलय पर्वत की सुगंधित वायु) · 4 सिंधु → 8 (समुद्र, एक नदी) · 5 गंगा-यमुना → 3 (प्रसिद्ध नदियाँ) · 6 रघुपति → 5 (श्री रामचंद्र) · 7 श्रीकृष्ण → 2 (वसुदेव के पुत्र वासुदेव) · 8 सीता → 9 (जनक की पुत्री जानकी) · 9 गीता → 7 (श्रीमद्भगवद्गीता) · 10 गौतम बुद्ध → 1 (बौद्ध धर्म के प्रवर्तक)

पंक्तियों पर चर्चा

उत्तर: भारत वीरों की धरती (युद्ध-भूमि: अन्याय के विरुद्ध लड़ने वाली, महाभारत) भी है और गौतम बुद्ध की शांति, दया, अहिंसा की धरती (बुद्ध-भूमि) भी; यह मेरी माँ जैसी धरती और जन्म की धरती है।

सोच-विचार के लिए

उत्तर: (क) 1. **अमराइयों** (आम के बागों) में 2. **मलय पवन** 3. **पहाड़ियों** से 4. पवित्र **गीता** 5. **भारत (मातृभूमि)** का।

(ख) छटा **पग-पग (हर कदम) पर**, नदियों के किनारे, पूरी धरती पर बिखर रही है; **गंगा, यमुना, त्रिवेणी** (नदियों) का पानी लहरा रहा है।

कविता की रचना (विशेषताएँ)

उत्तर: शीर्षक 'मातृभूमि'; हर पद के अंत में टेक 'वह जन्मभूमि मेरी वह मातृभूमि मेरी'; 'यमुन' जैसा शब्द-परिवर्तन; पुनरुक्ति (पग पग); तुक; मानवीकरण; छोटे पद, गेयता।

मिलान (भाव)

उत्तर: 1 (वह जन्मभूमि मेरी...) → 2 (मैंने उस भूमि पर जन्म लिया, वह माँ समान है) · 2 (चिड़ियाँ चहक रही हैं...) → 3 (सुखदायी जलवायु, पक्षी प्रसन्नता से गाते) · 3 (अमराइयाँ घनी हैं...) → 1 (आम के घने उद्यान, कोयल चहचहाती)

अनुमान या कल्पना से

उत्तर: (क) कोयल वसंत के आनंद में, अपने साथियों को, मधुर 'कुहू-कुहू' स्वर में पुकार रही होगी। (ख) पवन सबका (मनुष्य, पशु-पक्षी, पेड़-पौधे) तन-मन सँवारती है: ठंडक और सुगंध से थकान मिटाकर ताज़गी देती है।

शब्दों के रूप

उत्तर: (क) घर-घर = हर घर में · बाल-बाल = हर बाल; (मुहावरा) बाल-बाल बचना = बहुत कम अंतर से बचना · साँस-साँस = हर साँस में · देश-देश = हर देश में · पर्वत-पर्वत = हर पर्वत पर।

(ख) **भूमि से शब्द:** तपोभूमि (तपस्या की भूमि), देवभूमि (देवताओं की भूमि, जैसे उत्तराखंड), भारतभूमि, जन्मभूमि, कर्मभूमि, कर्तव्यभूमि, मरुभूमि (रेगिस्तान), मलयभूमि, मल्लभूमि (अखाड़ा), यज्ञभूमि, रंगभूमि (नाट्यशाला, मंच), रणभूमि (युद्ध का मैदान), सिद्धभूमि।

थोड़ा भिन्न, थोड़ा समान

उत्तर: दया-दिया जैसे: कल-काल, दिन-दीन, सुत-सूत, कुल-कूल, बल-बाल, पता-पत्ता नहीं (यह अक्षर का अंतर), मिल-मील, चिर-चीर, जल-जाल।

वंशी-से (फूँककर बजने वाले वाद्य)

उत्तर: शब्द-जाल से: **अलगोजा, बीन, बाँसुरी, सींगी, शहनाई, नादस्वरम, भंकोरा, शंख।**

आज की पहेली

उत्तर: 1. महासागर 2. हिमालय 3. गंगा 4. भारत 5. कलियाँ 6. पवन

आपकी बात (संकेत)

उत्तर: (क) अपने शहर/गाँव की प्रकृति, खान-पान, जलवायु, प्रसिद्ध स्थान लिखें। (ख) किसी प्रिय सदस्य/मित्र के अच्छे गुण।

झरोखे से: 'वंदे मातरम्' (बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय): स्वतंत्रता संग्राम में प्रेरणा का स्रोत; भारत में इसका स्थान 'जन गण मन' के समान (**राष्ट्रगीत**)। **भावार्थ:** हे माता, मैं तुम्हें प्रणाम करता हूँ! तुम जल से भरी (सुजलाम्), फलों से परिपूर्ण (सुफलाम्), मलय पवन से शीतल, अन्न के खेतों से हरी-भरी (शस्यश्यामलाम्) हो; चाँदनी से शोभित रातों वाली, खिले फूलों वाले पेड़ों से सजी, सदा हँसने वाली, मधुर बोलने वाली, सुख और वरदान देने वाली माँ! **साझी समझ:** दोनों में मातृभूमि की वंदना, प्रकृति (जल, फल, मलय पवन) का वर्णन; 'मातृभूमि' में महापुरुषों का भी उल्लेख, 'वंदे मातरम्' संस्कृतनिष्ठ और प्रणाम-भाव वाला।

पढ़ने के लिए: 'पुष्प की अभिलाषा' (माखनलाल चतुर्वेदी): फूल कहता है: मेरी चाह नहीं कि देवबालाओं के गहनों में गूँथा जाऊँ, प्रेमी की माला में बिँधूँ, सम्राटों के शव पर डाला जाऊँ या देवताओं के सिर चढ़कर इतराऊँ; **'मुझे तोड़ लेना वनमाली! उस पथ में देना तुम फेंक, मातृभूमि पर शीश चढ़ाने, जिस पथ जावें वीर अनेक।'** संदेश: देश के लिए बलिदान करने वालों का सम्मान सबसे बड़ा।

महत्त्वपूर्ण परीक्षा प्रश्न ★★★

A. पठित काव्यांश (5 × 1)

ऊँचा खड़ा हिमालय / आकाश चूमता है, / नीचे चरण तले झुक, / नित सिंधु झूमता है। / गंगा यमुन त्रिवेणी / नदियाँ लहर रही हैं।

- आकाश कौन चूम रहा है? (A) सिंधु (B) हिमालय (C) गंगा (D) बादल
- 'सिंधु' का अर्थ: (A) पर्वत (B) समुद्र (C) वन (D) आकाश
- 'त्रिवेणी': (A) तीन नदियों का संगम (B) तीन पर्वत (C) तीन वृक्ष (D) तीन झरने
- 'आकाश चूमना' से हिमालय की कौन-सी विशेषता प्रकट होती है? (A) ठंडक (B) बहुत ऊँचाई (C) हरियाली (D) बर्फ
- 'यमुन' शब्द किसका रूप है? (A) यम (B) यमुना (C) यामिनी (D) यमुनोत्री

उत्तर: (i) (B) (ii) (B) (iii) (A) (iv) (B) (v) (B)

B. लघु उत्तरीय

- कवि ने भारत भूमि को किन-किन नामों से पुकारा है?

उत्तर: पुण्य-भूमि, स्वर्ण-भूमि, जन्मभूमि, मातृभूमि, धर्मभूमि, कर्मभूमि, युद्ध-भूमि, बुद्ध-भूमि।

- कविता में किन महापुरुषों का उल्लेख है और क्यों?

उत्तर: श्रीराम (रघुपति), सीता, श्रीकृष्ण (गीता का उपदेश) और गौतम बुद्ध (दया सिखाई, ज्ञान का दीया दिखाया); यह बताने के लिए कि भारत महान व्यक्तियों की जन्मभूमि है जिन्होंने संसार को राह दिखाई।

C. दीर्घ उत्तरीय (5 अंक)

- 'मातृभूमि' कविता में भारत की प्राकृतिक सुंदरता का वर्णन कीजिए।

उत्तर: उत्तर में ऊँचा हिमालय आकाश चूमता है; दक्षिण में सिंधु (समुद्र) भारत के चरणों में झुककर झूमता है; गंगा, यमुना और त्रिवेणी की लहरें उठती हैं और हर कदम पर निराली छटा बिखरी है; पहाड़ियों से अनेक झरने गिरते हैं; झाड़ियों में चिड़ियाँ मस्त होकर चहकती हैं; आम के घने बागों में कोयल पुकारती है; मलय पर्वत की सुगंधित हवा तन-मन को ताज़गी देती है। इस वर्णन से भारत एक सुंदर, हरी-भरी, सुखदायी भूमि के रूप में सामने आता है, जिस पर कवि को गर्व है।

अभ्यास सेट: स्वयं को परखें

A. रिक्त स्थान: 1. ऊँचा खड़ा _____ आकाश चूमता है। 2. _____ घनी हैं कोयल पुकारती है। 3. बहती _____ पवन है। 4. श्रीकृष्ण ने सुनाई वंशी पुनीत _____। 5. वह युद्ध-भूमि मेरी, वह _____-भूमि मेरी।

B. सही/गलत: 1. सिंधु हिमालय के चरणों में झूमता है। 2. मलय पवन उत्तर भारत से आती है। 3. गौतम ने जग को दया सिखाई। 4. 'वंदे मातरम्' रवींद्रनाथ टैगोर ने लिखा। 5. 'पुष्प की अभिलाषा' माखनलाल चतुर्वेदी की रचना है।

C-G: 1. अपने स्थान की पाँच विशेषताएँ। 2. 'भूमि' से पाँच शब्द। 3. एक मात्रा के अंतर वाले पाँच जोड़े। 4. 'मेरा भारत महान' पर अनुच्छेद। 5. 'वंदे मातरम्' और 'मातृभूमि' की दो समानताएँ।

बहुविकल्पी प्रश्न: 20 MCQs

- 'मातृभूमि' कविता के कवि:
 - माखनलाल चतुर्वेदी (B) मैथिलीशरण गुप्त (C) सोहनलाल द्विवेदी (D) निराला
- कवि का प्रिय विषय:
 - देशभक्ति (B) प्रकृति मात्र (C) हास्य (D) प्रेम
- कवि की रचना:
 - कामायनी (B) साकेत (C) गोदान (D) बड़े चलो, बड़े चलो
- हिंद महासागर के लिए कविता में शब्द:
 - चरण (B) सिंधु (C) हिमालय (D) वंशी

5. 'अमराइयाँ' का अर्थ:
(A) अमरूद (B) आम के बाग (C) अमर लोग (D) झाड़ियाँ
6. तन-मन कौन सँवारती है?
(A) कोयल (B) चिड़िया (C) नदी (D) मलय पवन
7. 'रघुपति' किसे कहा गया है?
(A) श्रीराम (B) गौतम (C) श्रीकृष्ण (D) अर्जुन
8. गीता किसने सुनाई?
(A) गौतम बुद्ध (B) श्रीराम (C) श्रीकृष्ण (D) सीता
9. जग को दया किसने सिखाई?
(A) श्रीराम (B) कृष्ण (C) सीता (D) गौतम बुद्ध
10. 'पुनीत' का अर्थ:
(A) पुराना (B) पवित्र (C) पुनः (D) पुत्र
11. 'पग पग' है:
(A) संधि (B) विलोम (C) पुनरुक्ति (D) उपसर्ग
12. 'दया-दिया' में अंतर:
(A) एक मात्रा का (B) एक अक्षर का (C) कोई नहीं (D) दो मात्राओं का
13. 'रणभूमि' का अर्थ:
(A) रेगिस्तान (B) युद्ध का मैदान (C) खेत (D) मंदिर
14. 'मरुभूमि' का अर्थ:
(A) समुद्र (B) पर्वत (C) रेगिस्तान (D) वन
15. 'हिमालय आकाश चूमता है' में:
(A) उपमा (B) यमक (C) श्लेष (D) मानवीकरण
16. फूँककर बजने वाला वाद्य नहीं:
(A) तबला (B) बाँसुरी (C) शंख (D) शहनाई
17. 'वंदे मातरम्' के रचयिता:
(A) बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय (B) टैगोर (C) इकबाल (D) प्रेमचंद
18. 'सुजलाम्' का अर्थ:
(A) जलने वाली (B) सुंदर (C) सुखी (D) जल से भरी
19. 'पुष्प की अभिलाषा' में फूल कहाँ फेंका जाना चाहता है?
(A) देवों के सिर पर (B) वीरों के पथ में (C) माला में (D) नदी में
20. कविता की टेक:
(A) वंदे मातरम् (B) बड़े चलो (C) वह जन्मभूमि मेरी वह मातृभूमि मेरी (D) जय हिंद
- 1 (C) · 2 (A) · 3 (D) · 4 (B) · 5 (B) · 6 (D) · 7 (A) · 8 (C) · 9 (D) · 10 (B) · 11 (C) · 12 (A) · 13 (B) · 14 (C) · 15 (D) · 16 (A) · 17 (A) · 18 (D) · 19 (B) · 20 (C)

कथन-कारण (6)

(A) दोनों सही, कारण सही व्याख्या। (B) दोनों सही, व्याख्या नहीं। (C) कथन सही, कारण गलत। (D) कथन गलत, कारण सही।

- कथन: कवि भारत को बुद्ध-भूमि कहते हैं। कारण: गौतम बुद्ध ने यहाँ जन्म लेकर संसार को दया सिखाई।
- कथन: हिमालय आकाश चूमता है। कारण: वह बहुत ऊँचा है।
- कथन: मलय पवन तन-मन को थका देती है। कारण: वह सुगंधित है।
- कथन: कवि ने 'यमुना' को 'यमुन' लिखा। कारण: कविता की लय बनाए रखनी थी।
- कथन: सोहनलाल द्विवेदी ने देशभक्ति की कविताएँ लिखीं। कारण: उनका जन्म 1906 में हुआ।
- कथन: कविता में केवल महापुरुषों की प्रशंसा है। कारण: कविता का शीर्षक 'मातृभूमि' है।

उत्तर: 1 (A) · 2 (A) · 3 (D) · 4 (A) · 5 (B) · 6 (D)

उत्तर: अभ्यास सेट

A. 1. हिमालय 2. अमराइयाँ 3. मलय 4. गीता 5. बुद्ध

B. 1. सही (चरणों में = भारत के) 2. गलत (दक्षिण) 3. सही 4. गलत 5. सही

C-G: 1. अपना स्थान 2. रणभूमि, तपोभूमि, मरुभूमि, रंगभूमि, देवभूमि 3. दया-दिया, कल-काल, दिन-दीन, मिल-मील, जल-जाल 4. अपना अनुच्छेद 5. मातृभूमि की वंदना, प्रकृति-वर्णन।

- **अंतिम-रात सारांश:** सोहनलाल द्विवेदी (1906–1988): देशभक्ति; 'बढ़े चलो, बढ़े चलो', 'कोशिश करने वालों की हार नहीं होती'।
- प्रकृति: हिमालय आकाश चूमता, सिंधु चरणों में झूमता, गंगा-यमुना-त्रिवेणी, झरने, चिड़ियाँ, अमराइयाँ, कोयल, मलय पवन।
- महापुरुष: रघुपति (राम), सीता, श्रीकृष्ण (वंशी, गीता), गौतम (दया, दिया)।
- भूमि: पुण्य, स्वर्ण, जन्म, मातृ, धर्म, कर्म, युद्ध, बुद्ध। पहेली: अलगोजा, बीन, बाँसुरी, सींगी, शहनाई, नादस्वरम, भंकोरा, शंख; हिमालय, गंगा, भारत, कलियाँ, पवन।
- 'वंदे मातरम्' (बंकिम चंद्र): सुजलाम्, सुफलाम्, मलयज शीतलाम्, शस्यश्यामलाम्। 'पुष्प की अभिलाषा' (माखनलाल चतुर्वेदी)।